(आख्या)

उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत विशिष्ट व्याख्यान

व्याख्यान शीर्षक :– उच्च शिक्षा के कायाकल्प के आयाम

(दिनाँकः– 01 जून, 2022)

आयोजक

शिक्षा विद्याशाखा

उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज–211021

www.uprtou.ac.in

विशिष्ट व्याख्यान आख्या

दिनांक 01 जून, 2022 को शिक्षा विद्याशाखा, उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा **'उच्च शिक्षा के कायाकल्प के आयाम'** विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम तिलक शास्त्रार्थ सभागार, सरस्वती परिसर, उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट वक्ता प्रो0 आरती श्रीवास्तव, प्रोफेसर, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान **(NIEPA)** नई दिल्ली थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने की कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि एवं माननीय कुलपति महोदया जी द्वारा दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती जी की प्रतिमा पर पुष्पार्जन से हुआ। शिक्षा विद्याशाखा के आचार्य एवं प्रभारी द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत एवं मुख्य अतिथि का परिचय प्रसार किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा अपने संबोधन में कहा गया कि वर्तमान में उच्च शिक्षा सर्वाधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि उच्च शिक्षा के हर आयाम में विशेषज्ञ और विशिष्टता प्रदान करती है। अर्न्तराष्ट्रीय उद्दे यों की पूर्ति से जुड़ी सभी शोध उच्च शिक्षा में होती है। आर्थिक विकास, राष्ट्रीय आय, जी0 डी0 पी0 चाहे जितना भी मानक है सभी में उच्च शिक्षा महत्वपूर्ण है। आर्थिक परिप्रेक्ष्य में कैसे उच्च शिक्षा नीति बदलाव ला रही है इस पर विस्तार से जानकारी दी। उच्च शिक्षा नीति के निर्धारक तत्वों और इसके संवैधानिक, दार्शनिक और ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य की अवधारणा को विस्तार से समझाया। नई शिक्षा नीति 2020 की जानकारी, प्रासंगिकता और नियमों पर चर्चा और नई शिक्षा नीति की चुनौतियाँ, महत्व और क्रियान्वयन की आधारभूत विशयक जानकारी दी। आपने कहा कि योजनाएँ, नीतियाँ समाजोपयोगी होनी चाहिए।

शिक्षा का वास्तविक लक्ष्य व्यक्ति का विकास और समाज के लिए प्रासंगिक होनी आवश्यक है। भारतीयों को गर्व होना चाहिए नया और अन्य महत्वपूर्ण अर्न्तराष्ट्रिय संस्थाओं में भारतीयों का प्रतिनिधित्व ज्यादा होता है। योजनाओं को लागू होने, बनने में ज्यादा महत्वपूर्ण है उन शिक्षानीति और योजनाओं का क्रियान्वयन है। बदलाव की मानसिकता को स्वीकार करना आवश्यक है। क्रेडिट स्सिटम की जानकारी और क्रेडिट सिस्टम के रुपान्तर की व्यवस्था बनायी जानी चाहिए। इसका निरंन्तर विकास और शिक्षकों के नेतृत्व और विशेषीकरण, शिक्षकों की ट्रेनिंग की व्यवस्था की जाये। वर्तमान में लीडरशीप ट्रेनिंग, ओरियेंटेशन कोर्स और रिफ्रेशर कोर्स में सुधार और आव यकता पर बल दिया। भाोध के विशय और शैक्षणिक विषयों के सामन्जस्य, प्रशासनिक दक्षता और टैलेंट प्रबन्धन जैसे विशयों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उच्च शिक्षा की विभिन्नता और चुनौतियों के साथ नई शिक्षा नीति की उपयोगिता को बताया। शिक्षा का मुल्य उद्देश्य है सभी कमियों और शिक्षा जगत में ब्राडिंग बहुत नुकसानदेह हो जाती है। अतः ज्ञान की रिक्तता और समरुपता सबसे महत्वपूर्ण है। नई शिक्षा नीति में दूरस्थ शिक्षा की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। उच्च शिक्षा के अर्न्तराष्ट्रीय सन्दर्भो और उपयोगिता पर जानकारी दी।

टीचिंग लर्निंग सोचना अच्छा है परन्तु क्रियान्वयन चुनौतियाँ है। अगर उच्च शिक्षा में यह भिन्नता और योजनाओं के क्रियान्वयन में आधारभूत आव यकताओं को समझा जाये तो निश्चय ही उच्च शिक्षा की दशा और दिशा में सदुपयोग बदलाव होगा।

विकासशील राष्ट्रों को संघर्ष – समाधान और शान्ति का मार्ग आवश्यक है। लड़ाई झगड़े से बचकर ही मानवता को बचा जा सकता है। और विकासशील राष्ट्रों को उच्च शिक्षा के महत्व को समझना होगा।

माननीय कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने NIEPA के महत्व और उच्च शिक्षा की महत्व पर चर्चा किया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का प्रशिक्षण आवश्यक है। उच्च शिक्षा में अनुभव से सीखना महत्वपूर्ण है। क्योंकि हम जहाँ–जहाँ जाते हैं वहाँ की संस्कृति एवं अनुभवों से ज्ञान लेते हैं। भारतीयता को न भूलकर अन्य संस्कृतियों से जुड़ना आवश्यक है। अनुभव तो लेना ही है, लेकिन अपनी संस्कृति, सभ्यता को भी भूलना नहीं है। ऑन–लाईन शिक्षा में भी आधारभूत भौक्षणिक गुणों, टीचर लर्निंग आवश्यक जरुरी है।

किसी योजना के क्रियान्वयन के लिए सकारात्मक सोच जरुरी है। सकारात्मकता के साथ सोच और कार्य से हर चुनौती को समाधान मिल सकता है। शोध और शिक्षकों का प्रशिक्षण उच्च शिक्षा में अति आवश्यक है। धन्यवाद ज्ञापन प्रो0 छत्रसाल सिंह ने एवं संचालन डॉ0 सुरेन्द्र कुमार ने किया। इस अवसर पर प्रो0 कविता गुप्ता, सभी निदेशकगण, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी आदि ने प्रतिभाग किया।

आयोजन समिति

संरक्षक

समन्वयक

सह समन्वयक

संयोजक

प्रो0 पी0 के0 पाण्डेय
प्रभारी निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा, उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।

सह संयोजक

शिक्षा विद्याशाखा, उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।

आयोजन सदस्य

- डॉ0 जी0 के0 द्विवेदी, सहायक आचार्य, शिक्षा विद्याशाखा, उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त वि0वि0, प्रयागराज।
- डॉ0 दिनेश सिंह, सहायक निदेशक/सहायक आचार्य, शिक्षा विद्याशाखा, उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त वि0वि0, प्रयागराज।
- डॉ0 सुरेन्द्र कुमार, सहायक आचार्य, शिक्षा विद्याशाखा, उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त वि0वि0, प्रयागराज।
- डॉ0 यू0 एन0 तिवारी, सहायक आचार्य (सं0), शिक्षा विद्याशाखा, उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त वि0वि0, प्रयागराज।
- डॉ0 नीता मिश्रा, सहायक आचार्य (सं0), शिक्षा विद्याशाखा, उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त वि0वि0, प्रयागराज।
- श्री राजमणि पाल, सहायक आचार्य (सं0), शिक्षा विद्याशाखा, उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त वि0वि0, प्रयागराज।
- श्री परविन्द कुमार वर्मा, सहायक आचार्य (सं0), शिक्षा विद्याशाखा, उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त वि0वि0, प्रयागराज।
- श्रीमती सुषमा सिंह, सहायक आचार्य (सं0), शिक्षा विद्याशाखा, उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त वि0वि0, प्रयागराज।